

77 एम.एल.डी. फिल्टर प्लांट में दूसरे ट्रांसफार्मर को किया गया स्थापित,ओवरहेड टैंकों में जलापूर्ति है जारी, जल्द ही घर के नलों से मिलने लगेगा पानी

भिलाईनगर/77 एमएलडी फिल्टर प्लांट में कल सुबह ड्रॉप आउट फ्यूज उड़ जाने के कारण भिलाई के विभिन्न क्षेत्रों के ओवरहेड टैंक में पानी नहीं पहुंच सका जिसके कारण कई क्षेत्रों में जल प्रदाय कार्य प्रभावित हुई है परंतु अर्धरात्रि तक ट्रांसफार्मर में आई तकनीकी खराबी को सुधार लिया गया है एवं टंकियों में जल आपूर्ति प्रारंभ कर दिया गया है!

महापौर एवं विधायक भिलाई नगर देवेन्द्र यादव द्वारा फिल्टर प्लांट में आई खराबी से लेकर ट्रांसफार्मर स्थापित करने तक की पल पल की खबर सुबह से रात तक अधिकारियों से प्राप्त की जाती रही है एवं आयुक्त द्वारा स्वयं निगम के अधिकारियों के साथ फिल्टर प्लांट में रात में रह कर ट्रांसफार्मर स्थापित करने की संपूर्ण प्रक्रिया से रूबरू होते रहे !बता दें कि निगम के अधिकारियों के द्वारा टेक्निशियन, इलेक्ट्रिशियन एवं मोटर बनाने वाले मैकेनिक के साथ में फ्यूज हुए खराबी का बारीकी से जांच किया गया तब पता चला कि खराबी विद्युत ट्रांसफार्मर से संबंधित है जोकि विद्युत विभाग के माध्यम से विद्युत आपूर्ति किया जाता है!

तब आयुक्त श्री सुंदरानी ने बिना देर किए विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता से ट्रांसफार्मर से संबंधित खराबी को सुधारने हेतु सी.एस.ई.बी. के टेस्टिंग एंड मेंटेनेंस टीम के द्वारा मरम्मत करने के लिए स्थल पर पहुंचने हेतु चर्चा की थी! टीम द्वारा जांच करने के उपरांत विद्युत आपूर्ति चालू की गई जिसके उपरांत भी दो से तीन बार ट्रांसफार्मर लोड न लेने के कारण फ्यूज की समस्या बरकरार रही जिसको देखते हुए आयुक्त महोदय द्वारा फौरन रायपुर से ट्रांसफार्मर मंगाया गया, ट्रांसफार्मर आते ही फिटिंग का कार्य प्रारंभ कर दिया गया जिसे देर रात तक स्थापित करने का कार्य किया जाता रहा, ट्रांसफार्मर स्थापित होने के पश्चात पुनः टेस्टिंग की प्रक्रिया की गई

जिसके बाद ओवरहेड टैंक में जल आपूर्ति का कार्य आज सुबह से शुरू कर दिया गया है चूंकि जलापूर्ति बाधित होने के दौरान खाली हुई टंकी को भरने में समय लग रहा है! निगम क्षेत्र के 9 ओवरहेड टैंक के माध्यम से वर्तमान में जल प्रदाय किया जा रहा है जैसे ही यह टंकियां भरने लगेंगे वैसे ही घरों में पानी आना प्रारंभ हो जाएगा , तब तक आयुक्त महोदय द्वारा सभी जोन आयुक्तों से वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं!

जल है तो कल है जल ही जीवन है!

